

Department of Prakrit and Sanskrit

Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

According to NEP - 2020

Choice Based Credit System Syllabus

M.A. in Hindi

(From the Academic Year 2025-2026)

Approved by B.O.S. in Hindi

सेमेस्टर – प्रथम

प्रश्न-पत्र कोड	प्रश्न-पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)					
MHIN101MJ	आदि एवं मध्यकालीन काव्य	100	70	30	4
MHIN102MJ	हिन्दी गद्य साहित्य	100	70	30	4
MHIN103MJ	भारतीय काव्यशास्त्र	100	70	30	4
Subject Minor अनिवार्य-पत्र (Core Compulsory Course)					
MHIN101MN	हिन्दी नाटक	100	70	30	4
Value Added (IKS nature)					
MJVB101VA	जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्य	100	70	30	4
कुल अंक एवं क्रेडिट		500	350	150	20

सेमेस्टर – द्वितीय

प्रश्न-पत्र कोड	प्रश्न-पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)					
MHIN201MJ	आधुनिक हिन्दी काव्य	100	70	30	4
MHIN202MJ	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100	70	30	4
MHIN203MJ	भाषाविज्ञान	100	70	30	4
Subject Minor अनिवार्य-पत्र (Core Compulsory Course)					
MHIN201MN	हिन्दी उपन्यास	100	70	30	4

Skill Enhancement Course (Choose any one)					
MHIN201SE	पाण्डुलिपि विज्ञान : पठन-विधि, पाठ-	100	70	30	4
MJVB201SE	सम्पादन एवं अनुवाद				
MJVB202SE	Information Technology and Computer				
MJVB203SE	Astrology and Vastu				
	Choose any Course from MOOC's related to Skill Enhancement				
कुल अंक एवं क्रेडिट		500	350	150	20

सेमेस्टर – तृतीय

प्रश्न-पत्र कोड	प्रश्न-पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए. टर्म पेपर	क्रेडिट
Subject Major अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)					
MHIN301MJ	लोकसाहित्य	100	70	30	4
MHIN302MJ	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विविध रूप	100	70	30	4
MHIN303MJ	हिन्दी कहानी	100	70	30	4
Muli Disciplinary (Choose Any One from different course of self Subject)					
MJVB301MD	Preksha Meditation and Self Management	100	70	30	4
MJVB302MD	Introduction to Sanskrit				
MJVB303MD	Introduction to Prakrit				
MJVB304MD	The Uses of English				
MJVB305MD	Non-violence and Peace				
MJVB306MD	Introduction to Political Science				
MJVB307MD	Introduction to Jainism				
Introductory Research अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)					
MJVB301RP	शोध प्रविधि	100	70	30	4
कुल अंक एवं क्रेडिट		500	350	150	20

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्न-पत्र कोड	प्रश्न-पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)					
MHIN401MJ	प्रयोजनमूलक हिन्दी	100	70	30	4
Research (Core Elective) Choose any one					
MJVB401RP	Review of Literature	100	70	30	4
MJVB402RP	Formulation of Research Proposal				
Research (Core Elective) Choose Any One					
MJVB403RP	Publication of Article in Refereed Journal	100	70	30	4
MJVB404RP	Paper Presentation in National/International Seminar/Conference				
Research (Core Compulsory)					
MJVB405RP	Dissertation	100	70 Dissertation	30	4
MJVB406RP	Preparation & Viva Voice	100	70 Preparation 30+ Viva Voice 40)	30	4
कुल अंक एवं क्रेडिट		500	380	120	20
अंक एवं क्रेडिट का महायोग		2000	1430	570	80

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN101MJ -आदि एवं मध्यकालीन काव्य
क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी प्राचीन रासो साहित्यों की शैली से अवगत हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी कबीर की आध्यात्मिकता एवं उनके समाज सुधारक रूप को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी जायसी एवं तुलसीदास की काव्य शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी बिहारी एवं सूरदास की रचना धर्मिता से परिचित हो सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

- ♦ **चंदबरदायी** : पृथ्वीराज रासो, संपा. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह (एक समय), शशिग्रता विवाह समय
- ♦ **कबीर** : कबीर ग्रंथावली, संपा. डॉ. श्यामसुन्दरदास (विभिन्न अंगों से चयनित 50 साखियाँ तथा 10 पद)

इकाई द्वितीय :

- ♦ **जायसी** : पद्मावत, संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागमती वियोग खण्ड
- ♦ **सूरदास** : भ्रमरगीत सार, संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, (30 पद) 41 से 71 तक

इकाई तृतीय :

- ♦ **तुलसीदास** : रामचरित मानस (गीता प्रेस) उत्तरकांड आरम्भ के 50 दोहे

इकाई चतुर्थ :

- ♦ **बिहारी** : बिहारी सतसई संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर, आरम्भ के 50 पद।

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN102MJ-हिन्दी गद्य साहित्य
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी निबंध विद्या में निहित वैचारिक संपदा को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी कहानी विधा के नवोन्मेष एवं रोचकता को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी संस्मरण विद्या का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी बाल मनोविज्ञान के महत्व को जान सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

1. मुंशी प्रेमचन्द— गोदान
2. जयशंकर प्रसाद — चन्द्रगुप्त

इकाई द्वितीय :

1. बालकृष्ण भट्ट—होली
2. रामचन्द्रशुक्ल—लज्जा और ग्लानि
3. विद्यानिवास मिश्र—हल्दी, दूध, दधि, अच्छत
4. कुवेरनाथराय—निशाद बासुरी

इकाई तृतीय :

1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी—उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद—पुरस्कार
3. प्रेमचन्द—मंत्र
4. जैनेन्द्र—पाजेब

इकाई चतुर्थ :

1. धर्मवीर भारती—गुलकीबन्नो
2. कमलेश्वर—राजा निरवंशिया
3. ऊषा प्रियवंदा— वापसी
4. महादेवी वर्मा —पथ के साथी (संस्मरण)

सहायक पुस्तकें—

1. हिन्दी उपन्यास—शिवनारायण श्रीवास्तव।
2. कहानियों की शिल्पविधि का विकास—लक्ष्मीनारायण लाल
3. आज का हिन्दी उपन्यास—इन्द्रनाथ मदान।
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियां—लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन—जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
6. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक — जगदीश चन्द्र जोशी
7. हिन्दी गद्य साहित्य—रामचन्द्र तिवारी
8. उपन्यास का इतिहास— गोपाल राय

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN103MJ- भारतीय काव्यशास्त्र
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के प्रति रुचि जागृत कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी काव्य सिद्धांतों के विस्तृत अध्ययन हेतु प्रेरित होंगे।
3. विद्यार्थी भारतीय आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न तत्वों का विवेचन कर सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

(क) हिन्दी कवि-आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिन्तन:

- ♦ काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, काव्य का प्रयोजन, काव्य की परिभाषा, काव्य के प्रकार, काव्य-परम्परा एवं कवि-शिक्षा — केशव, चिंतामणि, भिखारीदास

(ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां :

- ♦ शास्त्रीय, तुलनात्मक, प्रभाववादी, सौंदर्यशास्त्रीय, और समाजशास्त्रीय

इकाई द्वितीय :

- ♦ रस-सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधरणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
- ♦ अलंकार-सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई तृतीय :

- ♦ रीति-सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।
- ♦ वक्रोक्ति- सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा , वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई चतुर्थ :

- ♦ ध्वनि-सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग, चित्र-काव्य।
- ♦ औचित्य-सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-प्रथम
अनिवार्य पत्र (MINOR COURSE)
MHIN101MN -हिन्दी नाटक

क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी नाट्य विधा के उद्भव विकास की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी पाठ्यक्रम वर्णित नाटककारों से प्रेरणा लेकर स्वयं नाट्य रचना हेतु प्रयास कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी नाटककारों की विभिन्न शैलियों से परिचित हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी नाट्य विधा की तात्त्विक विवेचना का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

1. हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास
2. हिन्दी नाटक के तत्त्व
3. हिन्दी नाटक की प्रकृतियां एवं रंगमंच

इकाई द्वितीय :

- ♦ अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसार
- ♦ सिंदूर की होली– लक्ष्मीनारायण लाल

इकाई तृतीय :

- ♦ आधे-अधूरे – मोहन राकेश
- ♦ अंधा युग – धर्मवीर भारती

इकाई चतुर्थ :

- ♦ बकरी-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- ♦ एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास-दशरथ औझा

एम.ए. हिन्दी
एम.ए. सेमेस्टर—प्रथम
अनिवार्य पत्र (VALUE ADDED COURSE)
MJVB101VA: जैन संस्कृति एवं जीवनमूल्य
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Students understand the need of value oriented education
2. Students understand the process of contemplation for value development.
3. Students understand the non-violence and culture of peace.
4. Students understand the cardinal principles of Jainism

Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)

इकाई—1 जैन इतिहास और संस्कृति

- | | |
|------------------------------|-------------------------------|
| ♦ जैन धर्म और उसकी प्राचीनता | ♦ कालचक्र |
| ♦ गवान् ऋष और महावीर | ♦ जैन धर्म के मुख्य सम्प्रदाय |
| ♦ जैन साहित्य और कला | ♦ जैन संस्कृति की विशेषताएँ |

इकाई—2 जैन आचार मीमांसा तत्त्व मीमांसा

- | | |
|------------------------------|-----------------------|
| ♦ जैन आचार का आधार और स्वरूप | ♦ त्रिरत्न (रत्नत्रय) |
| ♦ श्रमणाचार—श्रावकाचार | ♦ जैन जीवनशैली |
| ♦ नव तत्त्व | ♦ छः द्रव्य |
| ♦ लोकवाद | |

इकाई—3 जीवन विज्ञान और मूल्य विकास

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------|
| ♦ जीवन विज्ञान शिक्षा का नया आयाम | ♦ जीवन विज्ञान के सात अंग |
| ♦ जीवन विज्ञान और मूल्य विकास | ♦ अहिंसा और अहिंसा प्रशिक्षण |
| ♦ अनेकान्त और जीवन व्यवहार | ♦ अणुव्रत आन्दोलन और नैतिकता |

इकाई—4 प्रेक्षाध्यान और प्रबन्धन

- | | |
|------------------------------------|----------------------|
| ♦ प्रेक्षाध्यान स्वरूप और उद्देश्य | ♦ समय—प्रबन्धन |
| ♦ लक्ष्य—प्रबन्धन | ♦ स्वास्थ्य—प्रबन्धन |
| ♦ तनावमुक्ति—प्रबन्धन | ♦ नशामुक्ति—प्रबन्धन |
| ♦ कशायमुक्ति—प्रबन्धन | |

SUGGESTED READING

- जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्यए डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञाए जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
- Devatma' Value Education: 4 supplements to present education. Arora K. NCET, New Delhi 1999.
- Values and Ethics in School Education, Luther, M. (2001) New Delhi Mc Grow Hill.
- Value Development in Higher Education, Mukhopadhy M. (Eds.) 2004)
- Human Values and Education-Rahul, S.P. (1986) Sterling New Delhi.
- Education in Human Values. Saraf (1999) Vikash Publication, New Delhi.
- Value Education: Theory and Practice, Dr. N.L. Gupta, Krishna Brothers, Ajmer, 1986.
- जैन धर्ममेंअहिंसा, वशिष्ठनारायण सिंहा, वाराणसी ।
- जैनदर्शनमननऔरमीमांसा—आचार्यमहाप्रज्ञ, आदर्शसाहित्य संघ, चूरू ।

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN201MJ -आधुनिक हिन्दी काव्य
क्रेडिट—4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी मैथिलीशरण गुप्त की काव्य शैली से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद की काव्य प्रतिभा को निकट से जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी रामधारी सिंह दिनकर की काव्य ओजस्विता को जान सकेंगे।
4. विद्यार्थी निराला एवं आगे जैसे युग प्रवर्तक कवियों की भाषा शैली का परिचय पा सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

1. साकेत — मैथिलीशरण गुप्त (केवल नवम सर्ग)

इकाई द्वितीय :

1. कामायनी — जयशंकर प्रसाद (केवल श्रद्धा, लज्जा सर्ग)

इकाई तृतीय :

1. राम की शक्ति पूजा—सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. कुरुक्षेत्र—रामधारीसिंह दिनकर (केवल तीसरा सर्ग)

इकाई चतुर्थ

1. अज्ञेय—नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूंद सहसा उछली
2. ऋषभायण (कोई एक सर्ग)

सहायक पुस्तकें—

1. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन—द्वारकाप्रसाद सक्सेना।
2. नई कविता नए धरातल—हरिचरण शर्मा
3. हिन्दी के प्रतिनिधि आधुनिक कवि— द्वारका प्रसाद सक्सेना।
4. कविता के नए प्रतिमान—नामवर सिंह।
5. अधुनातन कवि—रामप्रसाद मिश्र।
6. युगचरण दिनकर—सावित्री सिन्हा।
7. निराला की काव्य साधना—रामविलास शर्मा।
8. हिन्दी काव्य का स्पन्दन—डॉ. नरेन्द्र मिश्र

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN202MJ -पाश्चात्य काव्यशास्त्र
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों के प्रति रुचि जागृत कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी व्यावहारिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी पाश्चात्य काव्य शास्त्रीय अवधारणा का विश्लेषण कर सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

- ♦ प्लेटो : काव्य सिद्धान्त ।
- ♦ अरस्तू : अनुकरण—सिद्धान्त, त्रासदी—विवेचन ।

इकाई द्वितीय :

- ♦ लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा ।
- ♦ मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य ।

इकाई तृतीय :

- ♦ टी.एस. इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
- ♦ आई.ए. रिचर्ड्स : व्यावहारिक आलोचना ।

इकाई चतुर्थ :

- ♦ सिद्धान्त और वाद : स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद ।
- ♦ आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां : विखंडनवाद, उत्तर—आधुनिकतावाद ।

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN203MJ -भाषा विज्ञान
क्रेडिट—4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी भाषा की परिभाषा के साथ भाषा – व्यवहार को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी भाषा विज्ञान का समुचित अध्ययन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी स्वयं विज्ञान की विभिन्न शाखाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं से परिचित होकर अपने व्यावहारिक जीवन में उसका उपयोग ले सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

- ♦ **भाषा और भाषाविज्ञान :** भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा—व्यवस्था और भाषा—व्यवहार, भाषा—संरचना और भाषिक—प्रकार्य। भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ—वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई द्वितीय :

- ♦ **स्वन विज्ञान(ध्वनि विज्ञान) :** स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाक् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

इकाई तृतीय :

- ♦ **रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान :** रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त—आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभि—धानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य—विश्लेषण, निकटस्थ—अवयव विश्लेषण, गहन—संरचना और बाह्य—संरचना।

इकाई चतुर्थ :

- ♦ **अर्थ विज्ञान :** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ—परिवर्तन।
- ♦ **साहित्य और भाषा विज्ञान :** साहित्य के अध्ययन में भाषा—विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

संदर्भ ग्रन्थ

1. भाषा विज्ञान— भोलानाथ तिवारी

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MINOR COURSE)
MHIN201MN -हिन्दी उपन्यास
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी उपन्यास विधा के स्वरूप एवं इतिहास की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी उपन्यास की प्रमुख शैलियां का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी प्रेमचंद वृंदावन लाल वर्मा जैनेंद्र एवं भीष्म साहनी जैसे प्रसिद्ध उपन्यासकारों के प्रसिद्ध उपन्यासों में रुचि लेकर अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी प्रमुख उपन्यासकारों के वस्तुशिल्पगत वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

उपन्यास का स्वरूप, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियां, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तुशिल्पगत वैशिष्ट्य। व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्न छः औपन्यासिक कृतियों का अध्ययन करना है—

इकाई प्रथम :

1. गोदान— प्रेमचंद

इकाई द्वितीय :

1. बाणभट्ट की आत्मकथा — हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई तृतीय :

1. मानसेका हंस—अमृत लाल नागर

इकाई चतुर्थ :

1. रागदरबारी—श्री लाल शुक्ल

संदर्भ ग्रंथ

1. उपन्यास साहित्य का इतिहास— डॉ. गोपाल राय
2. उपन्यास का विकास—मधुरेश

Skill Enhancement Course (Choose any one)

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-द्वितीय

ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

MHIN201SE : पाण्डुलिपि विज्ञान : पठन विधि, पाठ-सम्पादन एवं अनुवाद

क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. पाठ-संपादन विधि की जानकारी
2. अनुवाद-विधि की जानकारी
3. वर्तनी-शुद्धि की जानकारी
4. लिपि-परिचय एवं पाण्डुलिपि पठन की जानकारी

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई-1 लिपि-परिचय एवं पाण्डुलिपि का सामान्य परिचय

प्रमुख लिपियों का सामान्य परिचय (शारदा, ब्राह्मी, खरोष्ठी) पाण्डुलिपि का सामान्य परिचय, (पाण्डुलिपि का अर्थ एवं परिभाषाएँ, पाण्डुलिपि के भेद-गुहालेख या भित्तिचित्र, मृदा अभिलेख, पेपीरस अभिलेख, काष्ठ-पट्टी अभिलेख, चर्मपत्र या पार्चमेण्ट), पाण्डुलिपि के प्रकार-लिप्यासन के आधार पर, आकार के आधार पर, लेखन शैली के आधार पर, चित्र-सज्जा के आधार पर।

इकाई-2 वर्तनी शुद्धि

अशुद्धि संशोधन के चिन्हों का ज्ञान, सावधानियाँ, विषयवस्तु एवं भाषा का ज्ञान।

इकाई-3 पाठ-सम्पादन

परिचय, सिद्धान्त और अनुप्रयोग, विधियाँ, सावधानियाँ

इकाई-4 अनुवाद-कार्य (संस्कृत-प्राकृत एवं हिन्दी के विशेष सन्दर्भ में)

परिचय, अनुवाद के प्रकार (शब्दनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपान्तरण, व्याख्यानवाद) अनुवाद के सिद्धान्त समतुल्यता का सिद्धान्त, अर्थ सम्प्रेषण का सिद्धान्त, व्याख्या का सिद्धान्त), अनुवाद के साधन (अनुवादक, शब्दकोश, विषय-विशेषज्ञ, मशीनी उपकरण)।

सन्दर्भ-ग्रन्थ:-

1. अनुवाद : अवधारणा और आयाम, सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ, 1998
2. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग, डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
3. Editing, Principles and Practices, Dr. Rabindranath, Regal Publication, New Delhi, 2014
4. सामान्य पाण्डुलिपिविज्ञान, डॉ. महावीरप्रसाद शर्मा, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, राजस्थान, प्रथम संस्करण, 2003
5. सामचार सम्पादन और पृष्ठ-सज्जा, डॉ. रमेश जैन, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर, द्वितीय संस्करण, 1997
6. भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचदश संस्करण, 2016

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर–द्वितीय
ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)
MJVB201SE : **Information Technology and Computer**
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Expose the students to the fundamentals of the IT.
2. Students gain the introductory knowledge of the MS-Windows
3. Practically students able to use MS-PowerPoint, MS-Word, MS-Excel and create their own blog.

Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)

Unit I: Introduction to Computers and Windows

- Application of Computers
- Block Diagram of Computer
- Input and Output devices
- Types of software
- Introduction to Operating system: Windows
- Functions of operating system
- How you can Fast your Computer or Maintenance of computer

Unit II: Concept of MS Word and MS Excel and its application

- MS Word Window Layout
- Creating and Formatting Documents
- Editing Documents
- Working with Tables.
- Mail Merge, Macro Recording, Thesaurus, Printing Document (How to Use Page-Setup Before Printing)
- Introduction to Excel and its Applications
- Concept of workbook and worksheet
- Layout of Worksheets
- Use of basic formula and functions
- Sorting, Filtering and charts
- Report Generation (Pivot Table)
- Security or Protecting Worksheets

Unit III: Introduction & Application of MS-PowerPoint

- PowerPoint Slide Creation
- Slide Layout
- Views

- Adding content to slide- Text, Graphics, Sound, Video
- Applying Slide Transition
- Custom Animation
- Slide Show
- Working With Image or ClipArt (how you edit clipart image)

Unit IV: Internet

- Introduction to internet
- ISP (Internet Services Providers)
- About Modem, Type of Internet Connection
- Web browser – its functions
- Concept of search engine, What is surfing
- Social Networking site/How to pay online bill/How to book tickets online/How to use Paytm
- Website and its types
- Searching, downloading and uploading
- Basic concepts of sending and receiving E-mail
- Blog uses and creation of blog
- How to Create Simple web page (or Personal web page)

Course Contents (Practical) :

- Creating document in MS-Word like Advertisement, Letter, Tables, Charts etc.
- Creation of Simple Worksheet like Mark sheet, Pay slip using MS-Excel.
- Creation of Power Point Presentation on various themes.

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day-to-day life.
- Students will be able to create well-formatted documents, attractive presentations and calculation part through excel.
- Students will be able to create their own blog.

SUGGESTED READING/Website

1. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
2. <http://www.gcflearnfree.org/office>
3. Fundamentals of computers (English) 1st Edition by ReemaThareja, Oxford University Press, 2014
4. Introduction to Computer by Peter Norton, Tata McGraw hill
5. Introduction to Computer by Gary B Shelly

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—द्वितीय
ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)
MJVB202SE : **Astrology and Vastu**
क्रेडिट—4

Course Outcomes

- It will Create an interest in Indian Astrology
- It will usefull for the knowledge of TrediatonalArchitech
- It will usefull for daily life
- Students will acquise a fundamental outlook about their life and future

Unit-I : Back Ground of the Knowledge of Panchang

- Knowledge of Tithi
- Knowledge of var
- Knowledge of Naxatra
- Knowledge of Yoga
- Knowledge of Karan
- Knowledge of Dinman&Ratrimaan
- Knowledge of Time of Sunrise & Sunset

Unit-II :Basic Knowledge of Muhoort

- Muhoort about Marrige
- Muhoort about Business
- Muhoort about Vastushanti
- Muhoort about Grahshanti
- Muhoort about Vidyarambh
- Muhoort about Griharambh
- Muhoort about Grihpraves

Unit-III :Basic Knowledge of Horoscope

- Introduction of Horoscope
- How to make Herosewpe
- Knowledge of 12 Bhavs
- Knowledge of Rashi's
- Knowledge of Graha's
- Knowledge of Sequence of Rashi's&Graha's

Unit-IV :Basic Knowledge of Vastu

- Knowledge of Utility of Eirth
- Examine of Eirth
- Knowledge of Khat-Chakra
- Knowledge of Plots and DeisionForUtilise
- Knowledge of Prakoshtha's
- Knowledge of Vedh's
- Deision of Build Aria

Text Books

- BrihadAvkahadaChakram- GauriNathShastri, ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi
- PanchangVigyanam – Bhaskar Sharma, HansaPrakashan, Jaipur
- KundaliDarpan – NarayandattShrimali, Manoj Pocket Books, New Delhi

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर–द्वितीय

ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

MJVB203SE : Choose any Course from MOOC's related to Skill Enhancement

क्रेडिट–4

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

Note - Students can choose this course from MOOC's Portal related to Skill Enhancement .

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN301MJ-लोक साहित्य
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध स्थापित कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी लोक साहित्य के इतिहास का अध्ययन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी मुहावरे, पहेलियों एवं कहावतों के माध्यम से लोक साहित्य के भाषायी इतिहास की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

- ◆ लोक और लोक—वार्ता, लोक—वार्ता और लोक—विज्ञान।
- ◆ लोक—संस्कृति : अवधारणा, लोक—वार्ता और लोक—संस्कृति, लोक—संस्कृति और साहित्य।
- ◆ लोक—साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।
- ◆ भारत में लोक—साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
- ◆ हिन्दी लोक—साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोक—साहित्य की अध्ययन—प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।

इकाई द्वितीय :

- ◆ लोक—साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण —
लोक—गीत, लोक—नाट्य, लोक—कथा, लोक—गाथा, लोक—संगीत।
लोक—गीत : संस्कार—गीत, व्रत—गीत, श्रम—गीत, ऋतु—गीत, जाति—गीत।
लोक —नाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, भवाई, विदेसिया, माच, भाँड, तमाशा, नौटंकी, जात्र।
- ◆ हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।
- ◆ लोक—कथा : व्रत—कथा, परी—कथा, नाग—कथा, बोध—कथा, अभिप्राय (Motives)
- ◆ लोक—गाथा : ढोला—मारु, लोरिकायन, बगड़ावत।
- ◆ लोक—संगीत : लोकवाद्य
- ◆ लोक—भाषा : मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ

इकाई तृतीय :

- राजस्थानी लोकसंस्कृति
- राजस्थानी लोकगीत
- राजस्थानी लोकगाथा
- राजस्थानी लोगकथा

इकाई चतुर्थ :

- राजस्थानी लोकनाट्य
- लोकदेवी—देवता एवं लोकोत्सव
- लोककला, लोकवाद्य, लोकनृत्य एवं लोकविश्वास

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-तृतीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN302MJ-हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विविध रूप
क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी के भौगोलिक विस्तार को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी के भाषिक स्वरूप एवं उसके विविध रूपों त्रका ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।।
4. विद्यार्थी देवनागरी लिपि की विशेषताओं के साथ उसके मानकीकृत स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

- ♦ **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ-पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

इकाई द्वितीय :

- ♦ **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार :** हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई तृतीय :

- ♦ **हिन्दी का भाषिक स्वरूप :** हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था-खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना-लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिन्दी वाक्य-रचना : पदक्रम और अन्विति।
- ♦ **हिन्दी के विविध रूप :** संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम-भाषा, संचार-भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

इकाई चतुर्थ :

- ♦ **हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ :** आंकड़ा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा-शिक्षण।
- ♦ **देवनागरी लिपि :** विशेषताएँ और मानकीकरण।

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN303MJ-हिन्दी कहानी

क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी कहानी विधा के विकास के विभिन्न सोपनों से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी कहानी विधा का तात्त्विक विवेचन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी के प्रमुख कहानीकारों एवं उनकी रचना शैली से अवगत हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी कहानी विधा की आधुनिक परंपरा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम :

- हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास
- हिन्दी कहानी के तत्त्व

इकाई द्वितीय :

- ◆ एक टोकरी भर मिट्टी — माधव राव सप्रे
- कफन— प्रेमचन्द्र
- आकाशद्वीप—जयशंकर प्रसाद
- ◆ अपना अपना भाग्य— जैनेन्द्र कुमार
- ◆ रोज —सचिदानन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय'

इकाई तृतीय :

- ◆ परिंदे — निर्मल वर्मा
- ◆ चीफ की दावत—भीष्म सहानी
- ◆ ताई — विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'
- राजा निरबंसिया — कमलेश्वर
- ◆ सिक्का बदल गया—कृष्णा सोबती

इकाई चतुर्थ :

- ◆ कोशी का घटवार—शेखर जोशी
- ◆ शरणागत — वृन्दावन वर्मा
- ◆ दोपहर का भोजन — अमरकान्त
- ◆ तीसरी कसम — फणीश्वर नाथ रेणु
- पिता — ज्ञान रंजन

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी कहानी का विकास—गोपाल राय
2. हिन्दी गद्य साहित्य— राम चन्द्र तिवारी
3. हिन्दी कहानी आलोचना स्वर— डॉ. नरेन्द्र मिश्र

Inter disciplinary (Any One)

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-तृतीय

ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)

MJVB301MD : **Preksha Meditation and Self Management**

क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Students understand historical development of Preksha Meditation.
 2. Students understand the components, spiritual-scientific basis, objectives and benefits of Preksha Meditation.
 3. Students introduce the practical & process of Preksha Meditation.
- . **Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)**

Unit-I Preksha Meditation - I

Preksha Meditation: nature, *upsampada*, main, supportive and specific components.

Kayotsarga (Relaxation with self awareness): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Internal Trip (*Antaryatra*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-II Preksha Meditation – II

Perception of Breathing: objectives, spiritual and scientific basis, types and benefits.

Perception of Body: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-III Preksha Meditation - III

Perception of Psychic Centres: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Psychic Colour Mediation (*LeshyaDhyan*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Contemplation (*Anupreksha*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IV Self Management through Preksha Meditation

Personality development and Preksha Meditation.

Health management and Preksha Meditation.

Stress Management and Preksha Meditation.

Memory and Preksha Meditation.

Time management and Preksha Meditation.

Emotional management and Preksha Meditation.

SUGGESTED READING

- 1 प्रेक्षापुष्प-आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 2003।
- 2 अपनादर्पणअपनाबिम्ब- युवाचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, 1991।
- 3 प्रेक्षाध्यान : सिद्धातऔरप्रयोग-आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।
- 4 प्रेक्षाध्यान : व्यक्तिवविकास-मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।
- 5 जीवन विज्ञान की रूपरेखा-मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 1996।
- 6 जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग-संपा. समणी डॉ. मल्लीप्रज्ञा, जैनविश्वभारतीविश्वविद्यालय, 2009।
- 7 Mirror of the Self – AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1995.
- 8 PrekshaDhyana – Theory & Practice, AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1994.

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB302MD : Introduction of Sanskrit
क्रेडिट—4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का ज्ञान होगा।
2. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
3. संस्कृत व्याकरण की मूल-अवधारणाओं (जैसे कि वर्णमाला, संज्ञा, सन्धि, समास आदि को) समझने में सक्षम होंगे।
4. अनुवाद और लेखनकौशल में अभिवृद्धि होगी।

पूर्णांक 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई-१

- संस्कृत वर्णमाला परिचय
 १. स्वरवर्ण
 २. व्यञ्जनवर्ण
- शब्दरूप (संज्ञात्मक)

शब्द	अकारान्त	आकारान्त	इकारान्त	ईकारान्त	उकारान्त	ऋकारान्त
पुलिङ्ग	राम, बालक	-	कवि, हरि, पति	-	गुरु	पितृ, दातृ
स्त्रीलिङ्ग	-	लता	मति	नदी	धेनु	मातृ
नपुंसकलिङ्ग	फल	-	वारि	-	वस्तु	-

शब्दरूप (हलन्त/व्यञ्जान्त)

पुलिङ्ग	राजन्, आत्मन्, महत्, गच्छत्, ब्रह्मन्, विद्वस्
स्त्रीलिङ्ग	वाच्, सरित्, दिश्, परिषद्
नपुंसकलिङ्ग	जगत्, नामन्, मनस्, पयस्, कर्मन्

- सर्वनाम- अस्मद्, युष्मद्, तद्, यद्, एतद्, अदस्, भवत्, किम्, सर्व (तीनों लिङ्गों में)।
- धातुरूप
 १. परस्मैपदीधातु- पठ्, भू, लिख्, अस्, गम्, खाद्, वद्, हस्, कृ, पा, दा, नी, ज्ञा।
 २. आत्मनेपदीधातु- लभ्, सेव्, भाष्, वन्द्, मुद्, क्षम्, रम्, कम्प्।

इकाई-२

- सन्धि
 १. स्वरसन्धि
 २. व्यञ्जनसन्धि
 ३. विसर्गसन्धि

- समास
 १. अव्ययीभावसमास
 २. तत्पुरुषसमास
 ३. कर्मधारायसमास
 ४. द्विगुसमास
 ५. बहुव्रीहिसमास
 ६. द्वन्द्वसमास

इकाई-३

- कारक
 - १.कर्ता, २.कर्म, ३.करण, ४.सम्प्रदान, ५.अपादान, ६.सम्बन्ध, ७. अधिकरण
- वाच्य
 - १.कर्तृवाच्य, २. कर्मवाच्य, ३. भाववाच्य
- प्रत्यय
 १. कृदन्त- क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्तिन्, ल्युट्, तव्य/तव्यत्, अनीयर्।
 २. तद्धित- मतुप्, वतुप्, अण्, घञ्, इन्, ठक्, तल्, ष्यञ्।
 ३. स्त्रीप्रत्यय- टाप्, डीप्, डीष्।
- अव्यय
 - १.स्थानवाची- अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, कुत्र, यतः, ततः।
 - २.समयवाची- यदा, तदा, कदा, सर्वदा, अद्य, ह्यः, श्वः, परश्वः।
 - ३.समुच्चयवाची- च, अपि, एव
 ४. दिशावाची- अभितः, परितः, पुरतः, वामतः, दक्षिणतः।
 ५. निषेधवाची- मास्तु, अलम्, ना।
 - ६.सादृश्यवाची- इव, तु, वा, चित्।
- उपसर्ग- आ, उत्, अनु, प्र, प्रति, अव, उप, सम, अपा।
- विशेष्य-विशेषणसम्बन्ध
- संस्कृत अनुवाद(हिन्दी से संस्कृत में)

इकाई-४ (संस्कृतसाहित्य का आलोचनात्मक इतिहास)

1. संस्कृतसाहित्य का उद्भव और विकास
2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का अध्ययन
 १. गद्यकाव्य
 २. पद्यकाव्य
 ३. चम्पूकाव्य
 ४. नाटक

3. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय

१. कालिदास
२. भारवी
३. श्रीहर्ष
४. भवभूति
५. भास
६. शूद्रक
७. बाणभट्ट

सहायक ग्रन्थसूची :

१. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, २०२४.
२. बृहत् अनुवाद-चन्द्रिका, चक्रधर नौटीयाल “हंस” शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, १९६२.
३. सुगम संस्कृत व्याकरण, राकेश शास्त्री-प्रतिमा शास्त्री, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, १९९७.
४. व्याकरणसौरमम्, कमल कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, २००२.
५. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा(ऋषि), चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, २०१७.
६. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डा. कपिलदेव द्विवेदी, उत्तरप्रदेश संस्कृत अकादमी, लखनऊ, १९९३.

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB303MD : Introduction to Prakrit
क्रेडिट—4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. समणसुत्त में वर्णित नीतिपरक सिद्धान्तों का ज्ञान हुआ।
2. उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णित विनय का स्वरूप का ज्ञान।
3. प्राकृत भाषा का सामान्य परिचय हुआ।
4. प्राकृत साहित्य की सामान्य जानकारी हुई।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई—प्रथम : समणसुत्त — प्रथम 1—25 गाथा

इकाई—द्वितीय : उत्तराध्ययन सूत्र — अध्ययन 1 (गाथा 01—25)

इकाई—तृतीय : प्राकृत भाषा का सामान्य परिचय एवं अनुवाद रचना

प्राकृत की उत्पत्ति एवं विकास, प्रमुख प्राकृतों का सामान्य परिचय, भेद एवं उनकी सामान्य विशेषताएँ
(मागधी, अर्द्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री एवं अपभ्रंश)

प्राकृत स्वयं शिक्षक के प्रथम 25 पाठों के आधार पर अभ्यास एवं अनुवाद रचना

इकाई—चतुर्थ : प्राकृत साहित्य का इतिहास

श्वेताम्बर एवं दिगम्बर आगम साहित्य, प्राकृत काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य, ऐतिहासिक काव्य) कथा
एवं चरित साहित्य, प्राकृत गद्य एवं चम्पू साहित्य, प्राकृत सट्टक एवं प्राकृत व्याकरण साहित्य।

संदर्भग्रंथ :

1. उत्तरज्झयणाणि—हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या सहित, संपादक—आचार्यश्री महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनू
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नेमिचन्द्र शास्त्री, तारा प्रकाशन, वाराणसी
3. प्राकृत साहित्य का इतिहास, डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- 4- Introduction to Prakrit, A.C. Woolner
- 5- History of Prakrit Literature, Hardev Bahari
- 6- समणसुत्त — सम्पादक आचार्य विनोबा भावे, दिल्ली
- 7- प्राकृत स्वयं शिक्षक — प्रो. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB304MD : **The Uses of English**
क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- Students learned Basic Sentence Patterns and Transformation
- 2- Students learned Time, Tense and Concord
- 3- Students learned Voice, Narration and Modal Auxiliaries
4. Students learned Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)

Unit I: Basic Sentence Patterns and Transformation.

Unit II: Time, Tense and Concord.

Unit III: Voice, Narration and Modal Auxiliaries.

Unit IV: Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

SUGGESTED READING

- Green, David. *Contemporary English Grammar Structure and Composition*. Laxmi Publications; Second edition (2015)
- Hornby, A.S. *A guide to Patterns and Uses*. Oxford University Press, New Delhi.
- Swan, Michael. *Practical English Grammar*. Oxford University Press, New Delhi.
- Harit, S.K. *Communication Skills and English Grammar*. Associated Book Company, Jodhpur.
- Krishnaswamy, N. *Modern English: A Book of Grammar, Usage and Composition*. Laxmi Publications.

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB305MD : **Non-violence and Peace**
क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- Students learned about Violence: Concept, types, impact
- 2- Students learned about Conflict – Cause, Forms, Impact
- 3- Students learned about Human Nature Relationship
- 4- Students learned about World Peace

Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)

Unit- I	Violence: Concept, types, impact Non-violence- Philosophical and Historical Interpretation, Applied aspect, Training in Non-violence
Unit-II	Conflict – Cause, Forms, Impact Conflict Resolution-Diplomatic, Gandhian and Anekantik Techniques.
Unit-III	Human Nature Relationship Environmental Problems. Ethical Aspects.
Unit – IV	World Peace Threat to Global Peace Initiative For Peace Making

SUGGESTED READING

- विश्वशांति एवंअहिंसाप्रशिक्षण-प्रो. बच्छराजदूगड़,
- गांधीदर्शन, शांति एवंमानवाधिकार, डॉ. अनिलधर, जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूँ
- पर्यावरण अध्ययन, डॉ. सतिन्द्र सिंह
- Anekant the Third Eye, AcharyaMahapragya.
- Towards a Nonviolent Future, S.L. Gandhi(Ed.), Anuvibha, Jaipur, 2015
- Peace Studies, The Discipline and Dimensions AshuPasricha, 2003

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)

MJVB306MD **Introduction of Political Science**
क्रेडिट—4

Outcomes:-

1. Develop Knowledge about meaning and nature of Political Theories.
2. Students Understand Various Approaches of Political Theory.
3. Students Understand About Various Types of Government.
4. Students Understand Contemporary various dimensions of Political Theory.
5. Students Understand About Various Concept of Political Theory.

Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)

Unit-1 Concept of Political Theory, Rights and its various types, Concept of Power-sources, types and Characteristics, Concept of Authority-sources, types and Characteristic, Concept of Legitimacy, sources, and Characteristic

Unit-2 Concept of Citizenship & Indian Citizenship, Concept of Liberty, Equality and Justice.

Unit-3 Political Modernization, Political Development, Political Decay, Political Culture, Democracy & Dictatorship

Unit-4 Concept of State, Politics, Parties, Coalition Government, Politics of Reservation.

Reference Books:

1. Modern Political Theory: S.P Verma
2. Contemporary Political Theory: J.C Johari
3. Aadhunik Rajnitik Sidhhant: S.L Verma
4. Rajniti Shastra ke Mul Sidhhant: B.R Purohit
5. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: B.L Fadia
6. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: Pukhraj Jain

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB307MD : **Introduction to Jainism**

क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- Students learned about Jain History
- 2- Students learned about Jain Metaphysics
- 3- Students learned about Jain Principal
4. Students learned about Jain Ethics & Yoga

Total Marks : 100 (70 Written Exam+ 30 CIA)

Unit I: Jain History

1. Antiquity of Jainism (*Riabha and Mahavira*)
2. Jain religious Schools, Orders, and Sects
3. Jain Festival
4. Jain Literature

Unit II: Jain Metaphysics

1. Concept of Reality
2. Cosmology: Jain Perspective
3. The Nine Truths of Classical Jainism
4. Salvation and way of it

Unit III: Jain Principal

1. Anekantvada
2. Syadvada
3. Karmavada

Unit IV: Jain Ethics & Yoga

1. Jain Life Style : Based on Ahimsa on Aparigraha
2. Jain view of Environment
3. Jain Yoga

SUGGESTED READING

- AcharyaMahaprajna, *Jain DarshanMananAurMimansa*, AdarshSahityaSangh, Churu, 1977, (p. 1-84)
- Shastri, Kailashchandra, *Jain Dharm*, BharatvarshiyaDigamber Jain Sangh, Mathura, UP, 1985. (Chap. – 1, 4, 5, 6 and the part of Chap. 7 – p. 337 – 365)
- Jain, Jyoti Prasad, **Religion and Culture of the Jains**, BharatiyaGyanpeeth, 1999 (Chap. – 1 to 3 and 7 to 9)
- Bhaskar, Bhagchand Jain, *Jain Dharma kaMaulikItihas* SamyakgyanPracharakMandal, Jaipur. Vol 1 & 2.
- ShastriNemichandra, *TirthankaraMahaveer aura UnkiAcharyaParampara*, Vol.-I., PrachyaShramanaBharati, Mujaffar Nagar, U.P.
- SamaniRijuPrajna, *Jain ItihasaaurSanskriti*, Jain VishvaBharati Institute, Ladnun
- SamaniRijuPrajna, *Jain Tattvamimansa aura Acharamimansa*, Jain VishvaBharati Institute, Ladnun.

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर—तृतीय
अनिवार्य पत्र (CORE COURSE)
MJVB301RP : शोध—प्रविधि
क्रेडिट—4

उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- शोध का परिचय एवं प्रकार का परिचय प्राप्त हुआ
- 2- शोध—समस्या, परिकल्पना एवं शोध—क्षेत्र का परिचय प्राप्त हुआ
- 3- शोध—विधियों की जानकारी प्राप्त हुई
- 4- पाद—टिप्पण, संदर्भ ग्रन्थ सूची एवं परिशिष्ट निर्माण की विधि का ज्ञान हुआ

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई—1:

शोध : स्वरूप—परिचय, (Introduction : Research),
वर्णनात्मक शोध (Descriptive Research),
शोध के प्रकार (Types of Research),
ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भाषात्मक, सामाजिक, प्रविधिपरक एवं कार्यपरक शोध (Historical, Comperative, Linguistic, Social, Methodological and Action Research),

इकाई—2:

शोध—समस्या का चयन (Selection of Research Problem),
परिकल्पना (Hypothesis),
शोध—क्षेत्र (Area of Research),
शोध रूपरेखा (Synopsis)

इकाई—3:

शोधविधियां (Methods of Research), वैज्ञानिक विधि (Scientific Method)
निरीक्षणात्मक विधि (Observation Method), साक्षात्कार विधि (Interview Method)
प्रश्नपरक विधि (Questionnaire Method)

इकाई—4:

वैयक्तिक व एकल अध्ययन (Case Study), प्रतिदर्श—प्रतिचयन (Sampling),
सामग्री या आंकड़ों का संग्रहण व निरीक्षण (Collection & Analysis of Data etc.),
पादटिप्पण (Foot Notes), डाइक्रिटिकल मार्क (Diacritical Marks),
उपसंहार (Conclusion), सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Bibliography), परिशिष्ट निर्माण (Appendix),

संदर्भ ग्रंथ—

- 1- Methods in Social Research, William Goode, Paul K. Hatt, McGraw Hill Book Company, 1974.
2. अनुसंधान विधियां (व्यवहारक विज्ञानों में), डॉ. एच.के. कपिल, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2015।
3. अनुसंधान विधियां, डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव, साहित्य प्रकाशन, आगरा, 2010
- 4- Research Methodology, Gopal Lal Jain, Mangal Deep Publication, Jaipur, 2003.
- 5- Scientific Social Sureys and Research, Pauline V. Young, Prentice Hall of India Private Limited, New Delhi, 1939.

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MHIN401MJ -प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी हिन्दी की विभिन्न सृजनात्मक भाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी पारिभाषिक शब्दावली का दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी कंप्यूटर एवं इंटरनेट का समुचित ज्ञान प्राप्त कर कैरियर निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।
4. विद्यार्थी पत्रकारिता के विभिन्न पहलू की जानकारी प्राप्त कर इसे कैरियर निर्माण का एक बेहतर विकल्प बना सकेंगे।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई प्रथम : कामकाजी हिन्दी

- ♦ हिन्दी के विभिन्न रूप-सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
- ♦ कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
- ♦ पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धान्त।
- ♦ ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)

इकाई द्वितीय : हिन्दी कम्प्यूटिंग

- ♦ कंप्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब पब्लिशिंग का परिचय।
- ♦ इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र
- ♦ वेब पब्लिशिंग
- ♦ इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप
- ♦ लिंक, ब्राउजिंग, ई मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर, पैकेज।

इकाई तृतीय : पत्रकारिता

- ♦ पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार
- ♦ हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
- ♦ समचार लेखन कला
- ♦ संपादन के आधारभूत तत्त्व
- ♦ व्यावहारिक प्रूफ शोधन
- ♦ शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक – संपादन
- ♦ संपादकीय –लेखन
- ♦ पृष्ठ-सज्जा

- ◆ साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन
- ◆ प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता

इकाई चतुर्थ : मीडिया लेखन

- ◆ जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां
- ◆ विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप—मुद्रण, श्रव्य, दृश्य—श्रव्य, इंटरनेट।
- ◆ श्रव्य माध्यम (रेडियो)

मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार—लेखन एवं वाचन। रेडियो नाटक लेखन। विज्ञापन लेखन। फीचर तथा रिपोर्टाज।
- ◆ दृश्य—श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो)

दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति। दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य। पार्श्व वाचन (वायस ओवर)। पटकथा लेखन। टेली—ड्रामा/डायलॉग ड्रामा, संवाद लेखन। साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण। विज्ञापन की भाषा।
- ◆ इंटरनेट : सामग्री सृजन (Content Creation)

Research
Core Elective (Any One)
एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ
ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)
MJVB401RP : Review of Literature
क्रेडिट-4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Decipher the concept, source and types of literature.
2. Development of research writing skills.
3. Understand the concept of seminar and workshop.
4. Development of understanding method of reviewing literature.

Total Marks 100 (Departmental Presentation 50 Marks + CIA 15 Marks +Theory 35 Marks)

Theory (2 Credits)

UNIT-I Review of Literature

- a) Meaning, Nature of Literature Review
- b) Significance of Literature Review
- c) Principles of Literature Review
- d) Identification of Research gaps through Literature Review

UNIT II Sources of Literature

Sources of Literature:

- a) Primary
- b) Secondary
- c) Tertiary

Practical (2 Credits)

Collection of Review of Literature on concerned subject (minimum 15 including books, journals, digital sources and encyclopedias)

Work Cited :

- Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.
- Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.
- Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

- Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.
- McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.
- Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America
- Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ
ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)
MJVB402RP : Formulation of Research Proposal
क्रेडिट-4
उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- Develop the research design
- 2- Understand various research steps
- 3- Explain the various research methods and techniques

Total Marks 100 (Proposal Formulation 50 Marks + CIA+ Theory 15+35=50)

Theory (2 Credits)

UNIT-1: Research Design Quantitative-I

- a) Selection of research problem
- b) Review of related literature
- c) Objectives of research
- d) Formation of hypothesis

UNIT-2: Research Design Quantitative-II

- a) Procedure of Data collection, classification and tabulation
- b) Variables
- c) References - Footnote, Bibliography

Work Cited:

- Anderson, R.I., and T.A. Banerot (1952), Statistical Theory of Research, New York, McGraw Hill Book Company.
- Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.
- Garrett, H.E. (1966), Statistical in Psychology and Education, VokelsFeffers and Simons Ltd., Bombay
- Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.
- Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.
- Kerlinger, Fredan N. (1964), Foundations of Behavioral Research, Holt Rinhert and Winston, New Yourk

- Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.
- McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.
- Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America
- Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.
- Sharma, R.A. (1993), Fundamental of Educational Research, International Publishing House, Meerut,
- गुप्ता एस.पी. (2011), अनुसंधानसंदर्शिका, सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवंप्रविधि, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद ।
- यादव, राकेशचन्द्र (2009), राजर्षिपुरुषोत्तमदासदण्डन के शैक्षिकविचार, प्रथमसंस्करण, उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।
- कौल, लौकेश, (2009), शैक्षिकअनुसंधान की कार्यप्रणाली, तृतीय पुर्नमुद्रण, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली ।
- गुप्ता एस.पी. एवंअलकागुप्ता (2008), व्यवहारपरकविज्ञानोंमेंसांख्यिकी विधियां, चतुर्थसंस्करण, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद ।
- पाण्डेय, के.पी. (2008), शैक्षिकअनुसंधान, तृतीय संस्करण, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- राय, पासरनाथ (2007), अनुसंधानपरिचय, द्वादशमसंस्करण, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा ।
- गैरिट, हेनरीई. (1989), शिक्षाऔरमनोविज्ञानमेंसांख्यिकीय, ग्यारहवांहिन्दीसंस्करण, कल्याणीपब्लिशर्स, लुधियाना ।
- सिन्हा, एच. सी. (1979), शैक्षिकअनुसंधान, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली ।

Research
Core Elective (Any One)

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)

MJVB403RP : Publication of Article in Refereed Journal

क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- Develop the research Knowledge
- 2- Understand Subjects Knowledge
- 3- Develop writing Skill

Total Marks 100 (Publication of Paper 70 + CIA 30)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

- Two research articles should be published in two different ISSN based research magazine.

अथवा

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)

MJVB404RP : **Paper Presentation in National/International
Seminar/Conference**

क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

- 1- Deeper understanding of the Subject Matter
- 2- Increased Confidence Level
- 3- Enhance Communication skills
- 4- Improved Research and Analytical Skills

Total Marks 100 (Paper Presentation 70 + CIA 30)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

- Participation and presentation of two papers in national level seminars/conferences.

Research
(Core Compulsory)
एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MJVB405RP : Dissertation
क्रेडिट-4 (Dissertation Writing)

उपलब्धियां (Course Outcome)

2. विद्यार्थी शोध विधियों से परिचित हुआ।
3. विषय का गम्भीर ज्ञान प्राप्त हुआ।
4. लघुशोध प्रबन्ध के माध्यम से नये तथ्यों को उजागर किया गया।
5. भविष्य में की जाने वाली शोध का पृष्ठभूमि तैयार हुई।

Total Marks 100 (Preparation of Dissertation – 70 + CIA 30)

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर-चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MJVB406RP : Presentation and Viva-voce
क्रेडिट-4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी का आत्मविश्वास बढ़ता है।
2. विद्यार्थी प्रस्तुति में सक्षम होता है।
3. विषय विशेषज्ञ के सामने जवाब देने की योग्यता प्राप्त होती है।
4. भविष्य में की जाने वाली शोध का पृष्ठभूमि तैयार हुई।

Total Marks 100 (Presentation 30 Viva Voice – 40 + CIA 30)